१३. बादशाह को चकमा दिया

जयसिंह की बातों पर विश्वास करके शिवाजी महाराज बादशाह से मिलने के लिए आगरा चल पड़े । जाने से पूर्व शिवाजी महाराज ने स्वराज्य का प्रशासन जिजामाता के हाथों में सौंपा और उनका आशीर्वाद लिया । उन्होंने अपने पुत्र संभाजीराजे, चुने हुए सरदार, कुछ विश्वसनीय लोग और भारी धन अपने साथ लिया । स्थान-स्थान पर पड़ाव डालते हुए वे आगरा पहुँचे ।

दरबार में स्वाभिमान प्रदर्शन : निर्धारित समय पर शिवाजी महाराज बादशाह के दरबार में गए । बाल संभाजीराजे साथ में थे । उस दिन बादशाह औरंगजेब की पचासवीं वर्षगाँठ थी । दरबार-ए-आम समाप्त होने पर बादशाह औरंगजेब विचार-विमर्श के लिए दरबार-ए-खास में गया । उसके सामने कुछ प्रमुख सरदार अपने पद और प्रतिष्ठा के अनुसार अपनी-अपनी पंक्ति में खड़े थे । बादशाह औरंगजेब ने शिवाजी महाराज को पीछे की पंक्ति में खड़ा किया । मराठों को कई बार पीठ दिखाकर भागने वाला जसवंत सिंह राठौर शिवाजी महाराज की अगली पंक्ति में था । शिवाजी महाराज ने सोचा, 'हम महाराष्ट्र के राजा हैं । हमारा सम्मान प्रथम पंक्ति

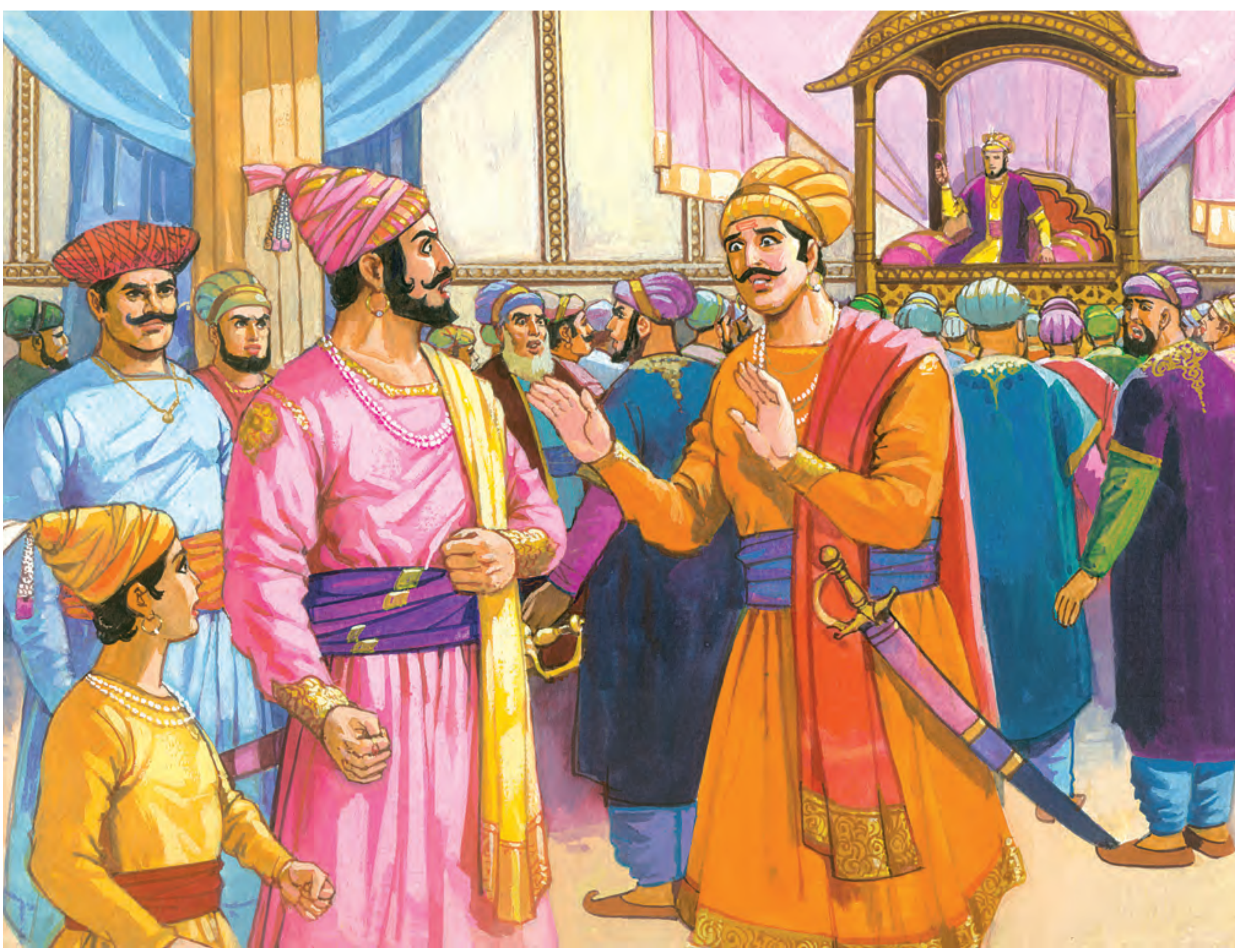

बादशाह औरंगजेब के दरबार में शिवाजी महाराज

में बैठने का है परंतु बादशाह ने हमें पिछली पंक्ति में खड़ा किया । इसका क्या उद्‌देश्य है ?' क्रोध से उनकी आँखें लाल हो गईं । यह अपमान उनसे सहा नहीं गया । क्रोध में शिवाजी महाराज महल से बाहर निकल आए और तुरंत अपने निवास स्थान पर पहुँचे । इसके बाद फिर कभी बादशाह का मुँह न देखने का उन्होंने निश्चय किया ।

इस प्रकार औरंगजेब से भेंट करने की बात बिगड़ गई । इस घटना का समाचार चारों ओर फैल गया ।

बादशाह द्‌वारा विश्वासघात : औरंगजेब ने शिवाजी महाराज के निवास स्थान के चारों ओर सैनिकों का पहरा लगा दिया । शिवाजी महाराज और संभाजीराजे बादशाह के बंदी बन गए । अब शिवाजी महाराज समझ गए कि बादशाह ने उनके साथ विश्वासघात किया है । वह उन्हें कभी नहीं छोड़ेगा ।

दिन-पर-दिन बीतने लगे । एक दिन शिवाजी महाराज ने बादशाह से निवेदन किया, "हमें महाराष्ट्र में जाने दीजिए ।" परंतु बादशाह ने उनकी बात नहीं मानी । उन्होंने बहुत कोशिश की मगर सब व्यर्थ रहा । शिवाजी महाराज ने निश्चय किया कि किसी भी प्रकार से बादशाह की कैद से छूटना ही है । शिवाजी महाराज ने बादशाह की अनुमति लेकर अपने साथ आए हुए आदमियों को दक्षिण में वापस भेज दिया । बादशाह ने सोचा, 'अच्छा हुआ । शिवाजी महाराज की शक्ति कमजोर हो गई ।' अब शिवाजी महाराज के साथ संभाजीराजे, हीरोजी फरजंद एवं मदारी मेहतर नामक सेवक ही रह गए थे ।

कुछ समय बाद एक दिन शिवाजी महाराज ने बीमार होने का स्वाँग रचा । वह एक बहाना ही था ! उनके पेट में जोरों की पीड़ा होने लगी । वैद्‌य-हकीम आए । दवा शुरू हुई । बीमारी दूर करने के लिए शिवाजी महाराज ने साधुओं और मौलवियों को मिठाई के पिटारे भेजने शुरू किए ।

पिटारे में बैठकर निकल जाना : पहरेदार मिठाई के पिटारों को खोलकर देखते थे लेकिन कुछ दिनों के बाद वे तंग आ गए और उन्होंने अब पिटारे खोलकर देखना बंद कर दिया । उन्होंने सोचा कि रोज-रोज क्या देखें ! एक दिन शाम को शिवाजी महाराज ने हीरोजी को अपनी जगह सुलाया । मदारी को उसके पैर दबाने के लिए बिठाया । शिवाजी महाराज और संभाजीराजे एक-एक पिटारे में बैठ गए । पिटारे बाहर निकले । निश्चित स्थान पर वे सुरक्षित पहुँच गए । वहाँ शिवाजी महाराज के स्वामिभक्त सेवक घोड़े लिये तैयार खड़े थे । इधर हीरोजी और मदारी यह कहकर, "महाराज की दवा लाने के लिए जाते हैं" निकल गए । इन दोनों ने अपने प्राणों पर खेलकर शिवाजी महाराज को बंदीगृह से बाहर निकल जाने में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया ।

दूसरे दिन यह समाचार बादशाह को मिला । अपने हाथों से शिवाजी निकल गया ! बादशाह क्रोध से भड़क उठा । उसके सभी सरदार डर गए । शिवाजी महाराज को खोजने के लिए बादशाह ने चारों ओर गुप्तचर भेजे पर सब व्यर्थ साबित हुआ । बादशाह की कैद से मराठों का सिंह सदा के लिए निकल गया था । भेस बदलकर शत्रु को चकमा देते हुए शिवाजी महाराज अपने प्रदेश की ओर चल पड़े । उन्होंने संभाजीराजे को मथुरा में

शिवाजी महाराज का आगरा से छूटकर निकल जाना

सुरक्षित स्थान पर रखा और स्वयं आगे बढ़े । शिवाजी महाराज राजगढ़ में सुरक्षित लौट आए हैं; यह देखकर माता जिजाबाई की खुशी का ठिकाना न रहा । दो महीनों के बाद संभाजीराजे भी सुरक्षित राजगढ़ पहुँच गए । इस प्रकार बड़ी चतुराई से बादशाह को चकमा देकर शिवाजी महाराज निकल आए । यह घटना ई.स. १६६६ में घटी ।

6JEZ3U

स्वाध्याय

१. कोष्ठक में से उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति करो :

(अ) शिवाजी महाराज बादशाह के दरबार में गए; उस दिन बादशाह औरंगजेब की .... वर्षगाँठ थी ।
(पचासवीं, चालीसवीं, साठवीं)

(आ) आगरा से आते समय उन्होंने संभाजीराजे को .... में सुरक्षित स्थान पर रखा ।
(झाँसी, मथुरा, दिल्ली)

२. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक-एक वाक्य में लिखो :

(अ) आगरा जाने से पूर्व शिवाजी महाराज ने स्वराज्य का प्रशासन किसके हाथ में सौंपा ?

(आ) आगरा की कैद में शिवाजी महाराज के साथ कौन-कौन थे ?

(इ) बीमारी दूर करने के लिए शिवाजी महाराज ने क्या किया ?

३. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखो :

(अ) शिवाजी महाराज बादशाह औरंगजेब के दरबार से क्रोधित होकर क्यों निकल गए ?

(आ) शिवाजी महाराज ने कैद से छूटने के लिए कौन-सी योजना बनाई ?

उपक्रम

शिवाजी महाराज आगरा की कैद से छुटकर आए- इस प्रसंग का चित्र बनाइए ।